''फार्मर फर्स्ट परियोजना, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत पौश्टिक फलदार अनार एवं पपीता का पौधारोपण कार्यकम का आयोजन

जबलपुर। दिनांक 25 जुलाई 2018 को माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, ना.दे.प.चि.विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा फार्मर फर्स्ट परियोजना (भा.कृ.अनु.परिषद् द्वारा पोषित) के अंर्तगत अंग्रीकृत ग्रामः छतरपुर में पौष्टिक फलदार अनार एवं पपीता के पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ अपने हाथों द्वारा किया गया। विदित हो कि पौधारोपण कार्यक्रम के तहत् 500 अनार तथा 500 पपीता पौधों का रोपण सभी छः अंगीकृत ग्रामों में किया जाना सुनिश्चित है। माननीय कुलपति जी द्वारा फार्मर फर्स्ट परियोजनार्तगत विभिन्न संचालित गतिविधियों पशु नस्ल सुधार हेतु उन्नत सिरोही बकरी पालन, नर्मदा निधि, मुर्गी की नस्ल इकाईयों, मृदा परीक्षण कार्ड, कृषि की लागत में कमी लाने हेतु केंचुआ खाद उत्पादन व उपयोग एवं अजोला उत्पादन इकाईयों का निरीक्षण एवं अवलोकन किया गया।

माननीय कुलपति महोदय जी ने सुझाव दियें कि फार्मर फर्स्ट परियोजना के माध्यम से कृषकों का सशक्तीकरण, कृषक व वैज्ञानिक नियमित जनसंवाद आदि के परिणामस्वरूप आगामी 2022 तक कृषकों की आय में दो गुनी वृद्धि हो, इसके लिये निरंतर गतिविधियों का संचालन करते हुये कृषकों के द्वार तक सकरात्मक व क्रियाशील प्रयास जारी रहें, जिसमें कोई कोताही न बरती जावे।

इस कार्यक्रम में डॉ. यश पाल साहनी, संचालक अनुसंधान सेवायें, डॉ. सुनील नायक, नोडल अधिकारी व संचालक विस्तार शिक्षा, डॉ. ए.के. गौर, प्रमुख अन्वेषक, डॉ. रूचि सिंह, उप प्रमुख अन्वेशक, डॉ. के.पी.एस. सैनी, एस.आर.एफ. श्री विजय चौकसे व श्री अशीष यादव फील्ड असिस्टेंट, फार्मर फर्स्ट परियोजना के साथ–साथ कृषको की उपस्थिति व सहयोग सराहनीय रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि., जबलपुर